

गोस्वामी तुलसीदास के काव्य की विशेषताएँ

डॉ गणेश शंकर पांडे

सहायक अध्यापक

हिंदी विभाग

दुर्गा कॉलेज रायपुर

गोस्वामी तुलसीदास के काव्य की विशेषताएँ

1. प्रस्तावना

गोस्वामी तुलसीदास हिंदी साहित्य के महान भक्तिकालीन कवि थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से रामभक्ति, नीति, धर्म और आदर्श जीवन मूल्यों का प्रचार किया। उनका काव्य लोक और शास्त्र दोनों की समन्वित अभिव्यक्ति है।

2. तुलसीदास के काव्य की मुख्य विशेषताएँ

(a) भक्ति भावना

उनके काव्य में रामभक्ति प्रमुख है। तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से भक्तिरस की धारा प्रवाहित की।

(b) आदर्शवाद

तुलसीदास का काव्य उच्च जीवन मूल्यों और आदर्शों का प्रतिनिधित्व करता है।

राम, सीता और हनुमान के चरित्र आदर्श रूप में प्रस्तुत किए गए हैं।

(c) लोकमंगलकारी दृष्टि

उनका काव्य केवल व्यक्तिगत भक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की उन्नति और लोककल्याण की भावना से ओत-प्रोत है।

(d) भाषा और शैली

अवधी और ब्रजभाषा का प्रयोग।

भाषा सरल, सहज, मधुर और जनसामान्य के लिए बोधगम्य।

उपमा, रूपक, अनुप्रास आदि अलंकारों का सुन्दर प्रयोग।

(e) रसात्मकता

उनके काव्य में मुख्यतः भक्तिरस, करुणरस और शांत रस की प्रधानता है।

साथ ही वीररस और हास्यरस का भी सुंदर प्रयोग मिलता है।

(f) चरित्र-चित्रण

तुलसीदास ने राम, सीता, हनुमान, भरत आदि चरित्रों को जीवंत और आदर्श रूप में प्रस्तुत किया।

उनके चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्श प्रतीक हैं।

(g) धार्मिकता और नैतिकता

तुलसीदास के काव्य में धर्म, नीति और आचरण की महत्ता पर बल दिया गया है। उन्होंने मानव जीवन में सत्य, अहिंसा, करुणा, दया, सेवा और प्रेम जैसे मूल्यों को स्थापित किया।

(h) सार्वभौमिकता

तुलसीदास का काव्य केवल किसी वर्ग या समाज तक सीमित नहीं है।
उसमें संपूर्ण मानवता के लिए जीवन-दर्शन और मार्गदर्शन है।

3. निष्कर्ष

गोस्वामी तुलसीदास का काव्य भक्ति, आदर्श, लोकमंगल और नैतिकता का
अद्वितीय संगम है।

उनकी भाषा सरल, भावप्रवण और हृदयस्पर्शी है।

उनका साहित्य आज भी जनमानस को प्रेरणा, श्रद्धा और मार्गदर्शन प्रदान करता है।